दया के साथ मदद करना

जैसे की आप उद्धारकर्ता की दया के उदाहरण का पालन करते हैं, आप जान पाएंगे की आप दूसरों के जीवन में बदलाव ला सकते हैं |

दया का होना दूसरों की पीढ़ा को जानना है, साथ में इसको कम करने या हटाने की चाहत है| उधारकर्ता का पालन करने का अनुबंध दया का अनुबंध है की "एक दुसरे के भोझ को बाँटो" (मोसहा 18:8)| दूसरों की सेवा करने से प्रभु जेसी सेवा करने का अवसर मिलता है: "दया, बदलाव ला सकता है" (जुदा 1:22)| प्रभु ने आज्ञा दी, "हर एक मनुष्य अपने भाई के प्रति दया और करुणा दिखाए" (जकरिया 7:9)|

उधारकर्ता की दया

उधारकर्ता की सेवकाई में दया एक महत्वपूर्णताशक्ति थी (किनारे मे देखें: "एक दयालु उद्धारकर्ता")| उसकी दया सभी लोगों के लिए उसको उन तक अनगिनत बार उनके बीच लेकर गई | लोगों की आवश्यकता और चाहत को जानना, वह उनको उन बातों की लिए आशीषतित और सिखाता है जो उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं | उधारकर्ता हमे हमारे दुखों से ऊपर उठाना चाहता है जो की दया का एक अनोखा कार्य है: उसका प्रायश्चित मानवता के दुखों और पापों के लिए है |

उसकी क्षमता दूसरों तक उनकी जरुरत पर पहुंचना कुछ ऐसा है की हम अपनी सेवा में उसका प्रयास कर सकते हैं | जैसे हम धार्मिकरूप से जीते हैं और आत्मा की छोटी वाणी को सुनते हैं, तो हम प्रेरना के साथ दुरसों को महत्वपूर्ण ढंग से मदद कर पाएंगे|

हमारा दया का अनुबंध

स्वरगिये पिता चाहता है की उसकी सन्तान दयावान हो (देखे 1 कुरंथियन 12:25-27)| सच्चे शिष्य बनने के लिए, हमे दूसरों के प्रति दयावान होना जरुरी है, विशेषकर उनके लिए जो जरूरतमंद हैं (सि और अ 52:42)|

बप्तिस्मा अनुबंध के समय पर यीशु मसीह का नाम अपने ऊपर लेकर, हमने गवाही दी थी की हम दया का पालन करेंगे| अध्यक्ष हेनरी बी. इयरिंग, पहली अध्यक्षता में दुसरे सलाहकार, ने बताया कि एसा करने में पवित्र आत्मा हमारी मदद करती है: "आप यीशु मसीह के गिरजे के अनुबंधित सदस्य हैं.

"इसलिए आप भार से दबे हुए मनुष्य जो आगे बढने में संघर्ष का सामना कर रहा है की मदद करना चाहते हैं | आपने वादा किया है की आप उनका भार हल्का और आसान कर के प्रभु की मदद करेंगे | आप को उनका भार कम करने की शक्ति दी गई थी जब आपने पवित्र आत्मा को पाया था|"1

उदाहरण के लिए, एक रुसी बहन उसकी पारिवारिक समस्याओं के कारणवश एक साल से गिरजा नहीं आ पा रही थी| ब्रांच में एक बहन ने दया के साथ हर रविवार को उनको फोन करके सारे टॉक्स, पाठों, मिशन कॉल, नवजात शिशु के जन्म के बारे मे और अन्य समाचार बराबर दिया| जब घर पर रहनेवाली बहन की पारिवारिक दशा सुधरी उसने महसूस किया की वह अब भी इस ब्रांच का हिस्सा है क्योंकि उसकी मित्र उसको हर रविवार फोन किया करती थी|

विवरण

1. Henry B. Eyring, "The Comforter," *Liahona,* May 2015, 18.

दया को विकसित करने के लिए चार सुझाव

हालाँकि अपने बुरे समय के अनुभव से अक्सर हमारी दया भावना बढ़ती है, कुछ चीजें हैं जो हम आज कर सकते हैं दया को विकसित करने के लिए| इन चार सिद्धांतों का पालन करने के बारे में सोचें:

प्राथना करें| जैसे आप स्वर्गीय पिता को पुकारते हैं, वह आप के दिल को खोलता है और "आप दूसरों के प्रति सच्चे रूप से उनके अनंत कल्याण और खुशी के बारे में सोचेंगे" (*Preach My Gospel: A Guide to Missionary Service* [2004], 118; see also Moroni 7:48).

आभ्यास करें| आप सुनकर और समझ कर भी दया दिखा सकते हैं| अपने आपको उनकी जगह पर रख कर सोचें की उनको केसा महसूस होता है| यदि परिस्थिति और समय उचित हों, तो उनको उनके दर्द, कष्ट या संकट से बाहर निकालने में मदद कर सकते हैं|

प्रेरणा का पालन करें| प्रभु हमे दया के कई रास्ते दिखा सकता है जो हमने स्वयं पहचान पाते| जब भी आप आत्मा की स्पर्श को महसूस करें, मदद करने में कभी भी हिचकहाट ना करें|

एक निजी मित्र हों| दूसरों के प्रति दया का भाव दिखाना उनके जीवन मे सच्ची दिलचस्पी लेने जैसा सरल हो सकता है| ध्यान से सुने (देखें "सेवकाई सिद्धांत: पाच चीजें अछे श्रोता करते हैं," लियाहोना, जून 2018, 6-9)| आप का प्रेम उनके प्रति बढ़ेगा, और इस प्रेम को दर्शाने के तरीके और भी आसन हो जायेंगे|

एक दयालु उद्धारकर्ता

इन धर्मशस्त्रों का अध्ययन कर सकते हैं सिखाने के लिए की किस तरह सेवकाई के दौरान यीशु मसीह की दया उसको उनके बीच ले गई जो उसके आस पास थे और केसे उसने उनको चंगाई दी, आशीषित किया, और सीखाया: मति 9:35-38; 14:14;18:27,33; 20:30-34; मरकुस 1:40-42; 5:19; 6:30-42; 9:22; लुका 7:13; 10:33;15:20|

सेवकाई के सिद्धांतों का उद्देश्य हमारी मदद करना है ताकि हम एक दुसरे की देख भाल करना सीखें - एक सन्देश के रूप में बांटना नहीं| जिन्की हम सेवा करते हैं, जब हम उनके बारे में जानते हैं, पवित्र आत्मा हमे बताती है की दया और करुणा के साथ-साथ उन्हे किस सन्देश की आवश्यकता है|

© 2018 by All rights reserved. Printed in USA. English approval: 6/17. Translation approval: 6/17. Translation of Ministering Principles, July 2018. Hindi. 15050 294